हरिभूमि

भिवानी-दादरी भूमि

रोहतक, सोमवार, 29 सितंबर, 2025

11 राज्य स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिता के लिए भिवानी...

12 विभिन्न जनसंगठनों ने शहीद भगत सिंह को ...

खबर संक्षेप

आज कार्यक्रम में श्रुति चौधरी होंगी मुख्यातिथि

भिवानी। राजस्व विभाग कार्यप्रणाली में पारदर्शिता को लेकर 29 सितंबर को प्रदेश में नई पहल शुरू करने जा रहा है, जिसका शुभारंभ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कुरुक्षेत्र से करेंगे। इसी कड़ी में प्रदेशभर में 29 सितंबर को सुबह दस बजे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। तोशाम में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास तथा सिंचाई जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी मुख्य अतिथि के रूप शामिल होंगी।

अब सादे कागज पर होगी लोगों की रजिस्ट्री

तोशाम। महिला एवं बाल विकास विभाग की कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी तोशाम से 29 सितम्बर सोमवार को जमीन की रजिस्ट्री आनलाइन प्लेट फार्म प्रणाली का शुभारंभ करेंगी। एसडीएम रवि मीणा ने बताया कि भू-रिकॉर्ड के तमाम कार्य ऑनलाइन पोर्टल पर ही अपडेट होंगे। भूमि के कोर्ट केसों की जानकारी भी आन लाइन ही अपडेट होगी। राजस्व विभाग से मिली जानकारी के अनुसार अब लोगों की सादे कागज पर तहसील में आवेदन करने पर रजिस्ट्री ऑनलाइन सिस्टम से तारिख तय की जाएगी। रजिस्ट्री कार्यालय में आवेदक को सभी कागज पूरे करने की जानकारी एप्लीकेशन पर दी जाएगी और रजिस्ट्री की डेट बता दी जाएगी। सारा सिस्टम ऑनलाइन पोर्टल के जरिये किया जाएगा।

जलभराव के दिखने लगे परिणाम: कई जगह अब भी भरा है पानी

अधिकांश स्कूली भवनों में मंडेर(उपर तक) नमी पहुंची

ज्यादातर स्कूली भवनों के फर्श जमीन में धसने लगे, बिल्डिंग में आई दरारें

भिवानी। स्कूल परिसर में सुखाने के लिए रखी गई भीगी हुई किताबें, स्कूली कमरों से पानी के साथ बह कर आया रिकार्ड व अन्य कागजात और यादा पानी जमा होने से सूखे हरे पेड़ों का दृश्य। फोटो : हरिभूमि

- जमा पानी ने सुखा दी हरियाली, आने लगी बदबू कैसी बने खुशहाली
- फिलहाल स्कूल के भवन व परिसर में जगह जगह पर काई बिखरी है। ऐसे भवनों में किस से तरह से स्कूली बच्चे बैठ कर भविष्य संवार पाएंगे।

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

शायद जिले का कोई ऐसा स्कूल होगा,जिसके भवन पर थोड़ा व ज्यादा पानी का असर न हो। अधिकांश स्कूली भवनों की नीवं ही नहीं बल्कि मंडेर(उपर तक) नमी पहुंच गई है। नमी ही नहीं, बारिश के पानी के प्रभाव से स्कूली भवनों के फर्श दरकने लगे है। अधिकांश स्कूली भवनों के फर्श जमीन में दरकने शुरू हो गए है।

कई जगहों के स्कूलों में अभी भी भवन के पास पानी जमा है। जिससे भवन के गिरने का भी खतरा बना हुआ है। दूसरी तरफ जिन स्कूलों में अभी तक पानी जमा है। वहां पर लगाए अधिकांश हरे पेड़ खतम हो चुके है। एक-दो जगहों पर बचे है वे भी ज्यादा पानी की वजह से सूखने लगे है। बारिश के पानी से जिन स्कूलों में जलभराव की समस्या बनी थी। उन स्कूलों में हरियाली का नामोनिशान ही नहीं बचा है। फिलहाल स्कूल के भवन व परिसर में जगह जगह पर काई बिखरी है। जिसमें सड़ांध आ रही है। ऐसे भवनों में किस से तरह से स्कूली बच्चे बैठ कर भविष्य संवार पाएंगे।

कई स्कूलों जमा था पानी

जिले में करीब दो दर्जन से ज्यादा स्कूलों के भवन ऐसे थे। जिनमें बारिश का पानी जमा है। कुछेक स्कूलों से पानी की निकासी हो चुकी है, जिन स्कूलों में पानी जमा है। उन स्कूलों की स्थिति बेहद खराब है। जलभराव की वजह से अनेक जगहों से स्कूल के भवनों के फर्श बैठ चुके है। भवनों में कई जगहों पर दरारे नजर आने लगी है। नमी ज्यादा होने की वजह से फर्श दरकने के बाद जमीन में पैर धंसने लगे है। अगर यही स्थिति रही तो पढ़ने वाले बच्चों के लिए स्कूल के भवन सेफ नहीं होंगे। चूंकि उन भवनों की नीवं में पानी जा चुका है। पानी के साथ बह कर आई काई भी सड़ने लगी है। ऐसे में पूरे स्कूल में काई क वजह से संडाध आ रही है। ऐसे में किस तरह से बच्चे बैठकर अपना भविष्य संवारेंगे।

भीगे रिकार्ड व किताबों को सूखाने में जुटे स्कूल प्रबंधक

स्कूली भवनों में बारिश का पानी जमा होने की वजह से कई जगहों पर रिकार्ड तो कई जगहों पर लाइब्रेरी की पुस्तकें भी पानी में भीग गई। जिनकों सुखाने के लिए स्कूल परिसर के जिस क्षेत्र में पानी नहीं है। वहां पर सुखाने के लिए रखा जा रहा है। अलमारियों के सबसे नीचे वाले खाने में पानी की मार होने के चलते वहां का रिकार्ड पूरी तरह से पानी में भीगा हुआ है। कुछ रिकार्ड तो इस कदर भीगा है। जो कि पढने व रखने के लायक भी नहीं बचा है।

पानी से सूखी हरियाली, स्कूली परिसर हुए विरान

कहते हैं पानी से ही हरियाली बनती है,लेकिन ज्यादा पानी जमा हो जाए तो उसका विनाश का कारण भी पानी बनता है। ऐसा ही इस बार सरकारी स्कूलों व जिन जगहों पर जलभराव हुआ है। खासकर सरकारी स्कूलों के भवन व परिसर में पानी जमा हो गया। जो कि कई दिनों तक वहीं पर जमा रहा। जिसके चलते हरे छोटे ही नहीं बड़े पेड भी खतम हो गए। हालात ये बने है कि स्कूल परिसर में पेड पौधों की हरियाली नहीं बल्कि पानी के साथ बह कर आई काई की हरियाली नजर आ रही है। इन स्कूलों में हरियाली को फिर से कायम करने के लिए कम से कम पांच से छह माह का समय लगेगा,लेकिन पहले वाली हरियाली तो बन ही नहीं पाएगी।

17वीं मिनी नेशनल हैंडबॉल चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंची हरियाणा की लड़कियां

- सेमीफाइनल मुकाबले में दिल्ली को दी पटकनी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

हैदराबाद में चल रही 17वीं मिनी नेशनल हैंडबॉल चैंपियनशिप में हरियाणा की लड़कियों की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। सेमीफाइनल मुकाबले में टीम ने दिल्ली को हराकर यह उपलब्धि हासिल की।

यह जानकारी देते हुए कोच विवेक खरकिया ने बताया कि 26 से 29 सितंबर तक हैदराबाद में आयोजित की जा रही चैंपियनशिप में हरियाणा की टीम ने शुरू से ही बेहतरीन खेल दिखाया है। सेमीफाइनल में हरियाणा का मुकाबला दिल्ली की मजबूत टीम से था। शुरुआती क्षणों में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला, लेकिन जल्द ही हरियाणा की खिलाडिय़ों ने अपनी आक्रामक रणनीति और मजबूत डिफेंस के दम पर दिल्ली पर बढ़त बना ली। टीम की खिलाडिय़ों ने एक के बाद एक कई गोल दागकर दिल्ली को बैकफुट पर धकेल दिया। मैच के दूसरे हाफ में भी हरियाणा की लड़कियों का दबदबा कायम रहा। टीम के अटैक और डिफेंस में शानदार तालमेल देखने को मिला, जिसकी बदौलत उन्होंने दिल्ली की टीम को वापसी का मौका नहीं दिया।

अध्यक्ष ने दी बधाई

हरियाणा की लड़कियों की टीम की उपलब्धि पर हैंडबाल फेडरेशन आफ इंडिया के अध्यक्ष महेश चौहान ने खिलाडिय़ों को अपना आर्शीवाद दिया। इस मौके पर राजेंद्र नैन, विजय कोटियां, हैंडबाल कोच नरेश बलोढा, हैंडबाल कोच रमेश, सोमबीर बामला, डा आकाश, नरेंद्र जटान, सुमीत कोटियां ने बधाई दी।

भिवानी। नवनियुक्त पदाधिकारियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सुरेंद्र सिंह राणा बने आरडब्ल्यूए के प्रधान तो सत्यनारायण को चुना गया वरिष्ठ उपप्रधान

भिवानी। रेजीडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) रेलवे लाइनपार क्षेत्र ने हाल ही में अपनी नई कार्यकारिणी का गठन किया है। आरडब्ल्यूए के संरक्षक दलवीर उमरा ने बताया कि नई कार्यकारिणी में सुरेंद्र सिंह राणा को सर्वसम्मति से प्रधान चुना गया है। वही सत्यनारायण राय को वरिष्ठ उप प्रधान और राजा तंवर, मोहित पवार राम सिंह वेद को उप प्रधान की जिम्मेदारी दी गई है। डा. भूपेंद्र कुमार वर्मा को महासचिव का महत्वपूर्ण पद सौंपा गया है, जबकि बबीता यादव सचिव के रूप में कार्यभार संभालेंगी। वित्तीय मामलों की देखरेख के लिए वीरेंद्र मास्टर को कोषाध्यक्ष और नरदेव आर्य को ऑडिटर नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त समिति को मार्गदर्शन देने के लिए दलवीर उमरा और रामावतार बोनदिया को संरक्षक मंडल में शामिल किया गया है। नवगठित कार्यकारिणी को विधिवत रूप से पदभार सौंपा गया।

दादरी के बहन भाई राहुल और ज्योति को मिला स्टूडेंट ऑफ द ईयर अवार्ड

- नेशनल इंटेग्रेटेड फॉर्म ऑफ आर्टिस्ट एंड एक्टिविस्ट निफा संस्था ने रजत जयंती मनाई

हरिभूमि न्यूज ▸▸ चरखी दादरी

नेशनल इंटेग्रेटेड फॉर्म ऑफ आर्टिस्ट एंड एक्टिविस्ट निफा संस्था ने युवा समाजसेवी के रूप में स्टूडेंट ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए राहुल शर्मा व ज्योति शर्मा को चुना हैं। दिल्ली में आयोजित सम्मान समारोह में दोनों बहन भाई को सम्मानित किया।

भिवानी। अवॉर्ड मिलने के बाद राहुल शर्मा व ज्योति। फोटो : हरिभूमि

संस्था की रजत जयंती समारोह में हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण, स्वामी ज्ञानानंद, निफा की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर अश्वनी शेट्टी, राष्ट्रीय संयोजक एडवोकेट नरेश बराना ने वर्ल्ड रिकॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस इंग्लैंड से प्रमाण पत्र देकर सम्मान प्रदान किया। देश के प्रत्येक राज्य के हर जिले से एक पुरुष एवं एक महिला समाजसेवी को उनकी सामाजिक योगदान के लिए यंग कम्युनिटी चैम्पियन अवार्ड से सम्मानित किया।

दादरी निवासी राहुल शर्मा और उनकी बहन ज्योति शर्मा लंबे समय से सामाजिक कार्य में हिस्सा लेते हैं, उनके कार्यों को देखते हुए संस्था ने उन्हें ये अवॉर्ड प्रदान किया है। राहुल शर्मा को कुछ समय पहले हरियाणा शहरी स्थानीय निकाय विभाग मंत्री विपुल गोयल ने स्टूडेंट ऑफ द ईयर अवार्ड प्रदान किया था।

आरएसएस के 100 वर्ष पूर्ण होने पर निकाला जाएगा पथ संचलन

भिवानी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आगामी दो अक्टूबर को विजय दशमी पर भिवानी में विभिन्न स्थानों पर सात भव्य पथ संचलन का आयोजन किया जाएगा। इस ऐतिहासिक आयोजन की तैयारियां पूरे जोर-शोर से चल रही हैं, जिसका पूर्वाभ्यास आज शहर के अलग-अलग हिस्सों में किया गया। आरएसएस नगर संचालक रमेश सिंघल ने बताया कि संघ की दृष्टि से भिवानी को सात उपनगरों में बांटा गया है और इन सभी जगहों पर पथ संचलन का कार्यक्रम होगा।

रामतीर्थ उपनगर के स्वयंसेवकों ने रविवार को वैश्य मॉडल स्कूल में पूर्वाभ्यास किया। पूर्ण गणवेश में सैंकड़ों स्वयंसेवकों ने कदम से कदम मिलाकर चलने का अभ्यास किया। उन्होंने कहा कि ये पूर्वाभ्यास ना सिर्फ अनुशासन और समन्वय को मजबूत करने के लिए हैं, बल्कि ये 100 वर्षों की संघ यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव भी है।

पदक विजेता बेटी का किया जोरदार स्वागत

- नूपुर श्योराण ने विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशीप में जीता है रजत पदक

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बाढड़ा

विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशीप में रजत पदक जीतकर देश और प्रदेश का मान बढ़ाने वाली नूपुर श्योराण का बाढ़ड़ा के क्रांतिकारी चौक पर सभी सामाजिक संगठनों ने जोरदार स्वागत किया। जुई रोड की जीतपूरा सीमा से जीतपुरा स्टैंडर्ड फर्नीचर, काकडोली हुक्मी, कन्या गुरुकुल पंचगांव में भी स्वागत किया गया। क्रांतिकारी चौक पर पूर्व चेयरमैन नीलम बाढ़ड़ा की अध्यक्षता में आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक उमेद पातुवास ने कहा नूपुर श्योराण ने पूरे उमरवास गांव का मस्तक गर्व से ऊँचा कर दिया है। यह हमारे लिए ही नहीं, पूरे हरियाणा और भारत के लिए गौरव की बात है कि हमारी बेटी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। पूर्व मुख्य संसदीय सचिव रणसिंह मान ने कहा कि नूपुर श्योराण जैसी बेटियां देश का गौरव हैं और आज हर युवा को यह प्रेरणा देती हैं कि मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के बल पर सपना साकार किया जा सकता है।

बाढड़ा। हिला बॉक्सर नुपुर श्योराण को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

अभिनंदन कार्यक्रम में नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन विजय पंचगावां, भाजपा जिलाध्यक्ष इंजीनियर सुनील हड़ौदी, पूर्व चेयरमैन संदीप बाढड़ा, जजपा अध्यक्ष विजय श्योराण, बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट देवेंद्र श्योराण, बा1सर संजय श्योराण, व्यापार मंडल अध्यक्ष सुंदरपाल, सरपंच राजेश बाढड़ा, जजपा जिला प्रभारी ऋषिपाल उमरवास, शक्ति पहलवान, विरेंद्र आर्य गोपी, रामकिशन फौजी, ब्राह्मण नेता सीताराम शर्मा, राजेंद्र हुई, सरपंच प्रतिनिधि राजेश कुमार, पूर्व सरपंच राकेश, एडवोकेट सुनील काकड़ौली, तेजवीर काकड़ौली, कुलदीप मील, सतबीर सलेमपूर, देवराज शर्मा, नवीन श्योराण काकड़ोली, धनसिंह, किसान नेता राजकुमार हडोदी, नीलम सांगवान, वेदकौर आर्यनगर आदि मौजूद रहे।

एसडीएम ने अनाज मंडी में सुनीं आढ़तियों की समस्याएं

भिवानी। बाजरे की खरीद को लेकर एसडीएम महेश कुमार रविवार को मार्केट कमेटी कार्यालय में पहुंचे। वहां उन्होंने खरीद एजेंसियों व मार्केट कमेटी के अधिकारियों तथा आढती एसोसिएशन के पदाधिकारियों से बात की। इस बीच आढती एसोसिएशन ने अपनी मांगे एसडीएम के समक्ष रखी। एसडीएम ने सभी की बातों को गौर से सुना और कहा कि वे सरकार के निर्देशानुसार फसल बाजरा की खरीद शुरु करें ताकि किसान को नुकसान ना हो।

उल्लेखनीय है कि मंडियों में बाजरे की आवक शुरु हो चुकी है। बाजरे की खरीद के लिए भिवानी अनाज मंडी के अलावा जुई, लोहारू, तोशाम, बहल, सिवानी, पाजू, बवानीखेड़ा, ढिगावा में बाजरा खरीद की जाएगी। इस बार अत्यधिक बारिश होने से बाजरे की फसल भी प्रभावित हुई है। हैफेड और वेयर हाऊस द्वारा बाजरे की खरीद की जा रही है। वहीं मंडियों में बाजरे की आवक शुरु हो चुकी है। एसडीएम ने समक्ष आढ़ती एसोसिएशन और खरीद एजेंसियों ने अपनी-अपनी बात रखें। एसडीएम ने दोनों पक्षों की बातों को बड़ी गौर से सुना। उन्होंने कहा कि फसल खरीद कार्य पारदर्शिता के साथ हो। किसान को किसी भी तरह से नुकसान नहीं होना चाहिए।

श्रमिकों के कल्याण के लिए चला रही अनेक योजनाएं

भिवानी। विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि सरकार द्वारा पंजीकृत श्रमिकों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। हरियाणा श्रम कल्याण बोर्ड और हरियाणा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के माध्यम से योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। पंजीकृत श्रमिकों को उनके कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए।

विधायक सर्राफ रविवार को टीआईटी सभागार में आयोजित जिला स्तरीय श्रमिक सम्मान एवं जागरूकता समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में नगराधीश अनिल कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिसार डिवीजन की डिप्टी लेबर कमिश्नर शशि बाला ने की। इस दौरान गुरुग्राम में आयोजित प्रदेश स्तरीय श्रमिक सम्मान एवं जागरूकता समारोह का सीधा प्रसारण दिखाया गया, जहां से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपना संदेश दिया।

विधायक सर्राफ ने कहा कि सरकार अंत्योदय की भावना के साथ काम कर रही है, जिसमें पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं की लाभ पहुंचाया जा रहा है।

उल्लास के प्रति परीक्षार्थियों में दिखा गजब का उत्साह

75 बुजुर्ग परीक्षार्थियों ने लिया भाग, 150 अंक का था पर्चा

- बवानीखेड़ा खंड में लगभग 27 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं जिसमें 600 से अधिक पंजीकरण किए गए

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बवानीखेड़ा

कस्बे के वीर शहीद कपिल देव मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्राचार्या संतोष भाकर के दिशा निर्देशानुसार परीक्षा का संचालन किया गया। उल्लास योजना के तहत परीक्षा आयोजित की गई। जिसमें 75 परीक्षार्थियों ने भाग लिया।

बवानी खेड़ा खंड के लगभग 27 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं जिसमें 600 से अधिक पंजीकरण किए गए हैं इसी के चलते रविवार उल्लास की परीक्षा आयोजित की गई। जानकारी देते हुए खंड समन्वयक मुकेश कुमार वेयर नोडल अधिकारी परीक्षा केंद्र विजयपाल ने बताया कि बवानी खेड़ा की परीक्षा केंद्र में लगभग 70 से अधिक 70 वर्ष से लेकर 80 वर्ष तक के परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। उन्होंने बताया कि इस परीक्षा का समय 3 घंटे रहा तथा 150 अंकों की परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा में भारत सरकार द्वारा 2025-26 के चलते 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के एस अक्षरों के लिए जिसमें महिला व पुरुष दोनों शामिल हैं उनको साक्षर करने का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों से नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत परीक्षा आयोजित करवाई जा रही है। इसमें असाक्षरों को साक्षर बनाना है। आज हुई परीक्षा में 75 परीक्षार्थियों ने हिस्सा लिया। वहीं परीक्षा केंद्र के नोडल अधिकारी विजयपाल ने बताया कि खंड के 27 परीक्षा केंद्रों में लगभग 600 से अधिक परीक्षार्थी हिस्सा ले रहे हैं। उसी के चलते यह परीक्षा आयोजित की गई है। इसका श्रेय उन्होंने भारत सरकार व राज्य सरकार का सहयोग से ग्रामीण क्षेत्र में असाक्षरता को साक्षर करके अनपढ़ता नामक बुराई को जड़ से मिटाना है। उन्होंने बताया कि 2025 व 26 में अधिक से अधिक निररक्षर परीक्षार्थियों को पंजीकृत करके साक्षर करना उनका मिशन रहेगा। इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य सत्यवान यादव, मास्टर रामनरेश कौशिक, विजय कुमार, हुनेश अग्रवाल, उमेश जांगड़ा, कृष्ण लाल, उमेद रंगा आदि मौजूद थे।

बवानीखेड़ा। उल्लास परीक्षा में भाग लेते परीक्षार्थी। फोटो : हरिभूमि

दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना के लाभार्थियों के जांचे दस्तावेज

हरिभूमि न्यूज ▸▸ चरखी दादरी

हरियाणा सरकार द्वारा 25 सितंबर को दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना का शुभारंभ किया था। योजना का लाभ प्रत्येक योग्य महिला को मिले, इस उद्देश्य से मानवता एक धर्म फाउंडेशन ने ग्राम स्तर पर कैंप लगाकर महिलाओं के दस्तावेज पूर्ण करवाकर योजना का आवेदन करवाने का कार्य किया जा रहा है। संस्था सचिव प्रीतम दमकोरा, सदस्य पवन बिलावल ने बताया कि रविवार को दो कैंप लगाए गए।

सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत पहला कैंप खेड़ी बूरा में प्रात 9 बजे से शुरू किया। कैंप में गांव के सरपंच, नंबरदार व पटवारी की मौजूदगी में लगभग 82 महिलाओं के रिहायशी प्रमाण पत्र बनवाने के दस्तावेज पूर्ण करवाएं। 18 महिलाओं के आवेदन ऑनलाइन किए। दूसरा कैंप खेड़ी बत्तर में लगाया, जिसमें 30 महिलाओं के लाडो लक्ष्मी योजना के आवेदन पत्र ऑनलाइन करवाए।

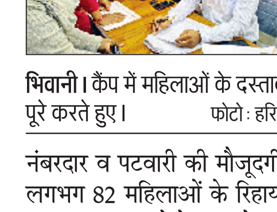

भिवानी। कैंप में महिलाओं के दस्तावेज पूरे करते हुए। फोटो : हरिभूमि

चौपाल

मां दुर्गा की पूजा

साल भर में नवरात्रि दो बार आती हैं। लोग चैत्र और शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करके अपनी मनोकामना की पूर्ति के लिए कामना करते हैं। इस समय शारदीय नवरात्रि चल रही है, जोकि इस बार 9 की बजाय 10 दिन चलेगी। ये दुर्लभ योग लगभग 27 साल बना है। जहां दुर्गा अष्टमी 30 सितंबर को है वहीं नवमी की पूजा 1 अक्टूबर को होगी। दुर्गा अष्टमी अपने आप में खास है। इस दिन की पूजा का सबसे ज्यादा महत्व होता है। इसी तरह नवमी की पूजा का भी महत्व है।

परंपरा, उत्साह और संस्कृति का पर्व दशहरा

दशहरा को विजयादशमी भी कहा जाता है। पूरे देश में इसे बुराई पर अच्छाई की विजय के रूप में देखा जाता है। माना जाता है कि जिस दिन भगवान राम ने लंका के राजा रावण का वध किया, उस दिन को 'दशहरा' पर्व के रूप में मनाते हैं।

संस्कृति
दिनेश शर्मा 'दिनेश'

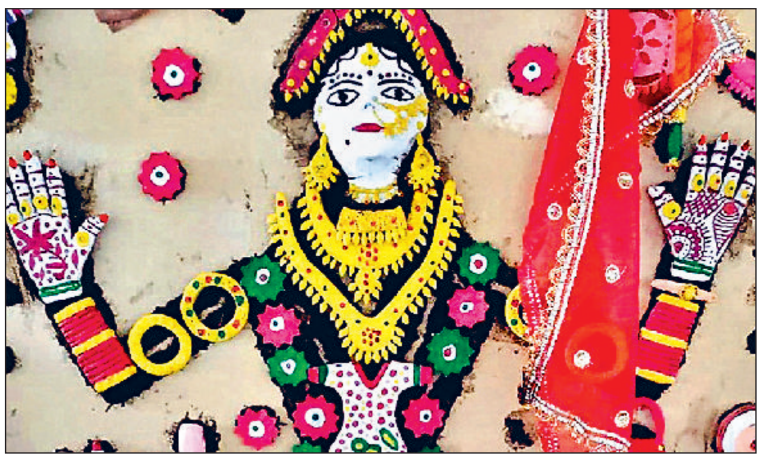

नवरात्रि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में घरों की दीवारों पर मिट्टी, गोबर, और अन्य सामग्री से सांझी की आकर्षक आकृति बनाई जाती है और घरों में सांझी माता की प्रतिमा दीवारों पर सजाई जाती है सांझी मातृदेवी मानी जाती हैं, जिन्हें दुर्गा या पार्वती का रूप माना जाता है। सांझी को चूड़ी, बिंदी और अन्य आभूषणों से सजाया जाता है। शारदीय नवरात्रि में सांझी की पूजा मुख्य रूप से की जाती है और दशहरे के दिन विसर्जन होता है।

भारत उत्सवों का देश है, जहां हर पर्व लोगों के जीवन में उत्साह, भक्ति और सांस्कृतिक विविधता का रंग भरता है। यहां मनाए जाने वाले पर्व न केवल आस्था से जुड़े होते हैं बल्कि उनके नाम और परंपराओं में गहरे सांस्कृतिक और पौराणिक अर्थ भी छिपे होते हैं। ऐसा ही एक प्रमुख पर्व है दशहरा; जिसे विजयादशमी भी कहा जाता है। यह त्योहार अश्विन मास की शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है और पूरे देश में इसे बुराई पर अच्छाई की विजय के रूप में देखा जाता है।

असल में 'दशहरा' शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है दश और हारा। दश का अर्थ है 'दस' और हारा का अर्थ है 'हारना'। जिसका सीधा संकेत है रावण के दस सिरों का नाश। माना जाता है कि जिस दिन भगवान राम ने लंका के राजा रावण का वध किया, उस दिन को 'दशहरा' के पर्व के रूप में मनाते हैं। रावण के दस सिर केवल उसके शरीर का प्रतीक नहीं थे, बल्कि वे दस प्रकार की बुराइयों जैसे क्रोध, काम, मोह, लोभ, अहंकार, ईर्ष्या, स्वार्थ, अन्याय, अत्याचार और अधर्म को दर्शाते थे। इस प्रकार दशहरा उन बुराइयों पर विजय का प्रतीक बन गया। इस क्रम में 'विजयादशमी' को देखें तो 'विजया' का अर्थ है विजय या जीत तथा 'दशमी' का अर्थ है मास की दशमी तिथि अर्थात यह वह तिथि है जब धर्म की अधर्म पर, सत्य की असत्य पर, और अच्छाई की बुराई पर विजय हुई। एक अन्य पौराणिक मान्यता के अनुसार इस दिन देवी दुर्गा ने महिषासुर नामक असुर का वध किया और देवताओं को पुनः उनका अधिकार लौटाया। इसलिए इस दिन को विजयादशमी भी कहा जाता है। भारत के लगभग सभी राज्यों में दशहरा हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है। उत्तर भारत में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब में रामलीला का मंचन और रावण दहन बड़े स्तर पर होता है। पश्चिम बंगाल और ओडिशा में इसे दुर्गा पूजा के रूप में मनाया जाता है। भव्य पंडाल, मूर्तियाँ और सिंदूर खेला इस पर्व की विशेषता हैं। दक्षिण भारत में कर्नाटक का मैसूर दशहरा विश्व प्रसिद्ध है। तमिलनाडु में बोम्मई गोलू और केरल में आयुध पूजा तथा विद्यारम्भम् की परंपरा है। जबकि गुजरात और महाराष्ट्र नवरात्रि के दौरान गरबा और डांडिया नृत्य होते हैं।

दशहरे पर शमी वृक्ष की पूजा होती है। दशहरा केवल देश की सीमाओं तक ही सीमित नहीं हैं। प्रवासी भारतीय जहाँ-जहाँ बसे हैं, वहाँ उन्होंने दशहरे और दुर्गा पूजा की परंपरा को भी जीवित रखा है। नेपाल में दशैं कहा जाता है और यह सबसे बड़ा पर्व है। श्रीलंका में रामायण से जुड़े स्थानों पर इस दिन विशेष अनुष्ठान किए जाते हैं। बांग्लादेश में दुर्गा पूजा बड़े पैमाने पर होती है और हिंदू समुदाय दशहरा भी मनाता है। जबकि अमेरिका और कनाडा, ब्रिटेन, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में बड़े भारतीय संगठन हर साल दुर्गा पूजा और रावण दहन का आयोजन करते हैं तथा सांस्कृतिक संस्थाएँ दशहरा महोत्सव आयोजित करती हैं। सिंगापुर और मलेशिया में भी दशहरा नवरात्रि और गरबा के साथ व्यापक रूप से मनाया जाता हैं। इसी प्रकार हरियाणा जहां अपनी वीरता और कृषि दोनों के लिए प्रसिद्ध है, यहाँ का दशहरा विशेष परंपराओं और ऐतिहासिक मान्यताओं से जुड़ा हुआ है। सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य हरियाणा में दशहरा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह सामुदायिक मेलजोल, लोककलाओं के संरक्षण और परंपराओं को जीवित रखने का एक माध्यम भी है। हरियाणा में पानीपत के दशहरे की एक अनोखी परंपरा है। जहां मन्नत पूरी होने पर पुरुष और बच्चे हनुमान का रूप धारण करते हैं। वे कई दिनों तक ब्रह्मचर्य और तपस्या का पालन करते हैं। दशहरे के दिन वे रावण के पुतले की परिक्रमा करते हैं और फिर पुतले का दहन होता है। यह परंपरा अंग्रेज़ों के शासनकाल में भी जारी रही, जब दशहरा मनाने पर रोक लगी थी। कैथल में दशहरे पर लगभग 200 साल पुरानी परंपरा है। भक्त अष्टमी से दशहरे तक हनुमान स्वरूप में नगर की परिक्रमा करते हैं। दशहरे के दिन रावण पर गदा प्रहार किए बिना उसका दहन नहीं किया जाता। जबकि अंबाला दुनिया के सबसे ऊँचे रावण पुतले बनाने के लिए प्रसिद्ध है। बराड़ा में बनाए गए रावण ने कई बार रिकॉर्ड बनाया है और लाखों लोग इसे देखने आते हैं। फरीदाबाद में एक मुस्लिम परिवार पीढ़ियों से रावण के पुतले बना रहा है। यह धार्मिक सौहार्द और सामाजिक एकता का प्रतीक है। इसी प्रकार कुरुक्षेत्र महाभारत की भूमि होने के कारण यहाँ दशहरे का महत्व और बढ़ जाता है। पांडवों द्वारा शमी वृक्ष में हथियार छिपाने की कथा के चलते शमी पूजा यहाँ विशेष रूप से की जाती है। करनाल में तकनीकी दृष्टि से विशेष पुतले बनाए जाते हैं। रावण की आँखों और मुँह से आग और आतिशबाज़ी निकलती है, जो दर्शकों को आकर्षित करती है। दशहरे के पर्व की लोक

परम्पराएं भी अद्भुत हैं। प्रदेशभर में दशहरे से पहले गाँवों और शहरों में बड़े स्तर पर रामलीला होती है और सूर्यास्त के बाद रावण दहन किया जाता है। इस अवसर पर भव्य सांस्कृतिक आयोजन भी आयोजित किए जाते हैं और सांग, धमाल और अन्य लोक नृत्यों द्वारा लोग मनोरंजन करते हैं। नवरात्रि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में घरों की दीवारों पर मिट्टी, गोबर, और अन्य सामग्री से सांझी की आकर्षक आकृति बनाई जाती है और घरों में सांझी माता की प्रतिमा दीवारों पर सजाई जाती है सांझी मातृदेवी मानी जाती हैं, जिन्हें दुर्गा या पार्वती का रूप माना जाता है। सांझी को चूड़ी, बिंदी और अन्य आभूषणों से सजाया जाता है। शारदीय नवरात्रि में सांझी की पूजा मुख्य रूप से की जाती है और दशहरे के दिन विसर्जन होता है। हरियाणाभर में सांझी की पूजा के दौरान लोकगीत गाने की परंपरा भी है। यथा -

मेरी सांझी के औरे धोरै फूल रही कव्वाई
भान मैं तन्नै बूझूं संझा कै तेरे भाई
मेरे पांच पचास भतीजे नौ दस भाई
भान कैयां का ब्याह रचाया कितने की सगाई
पांचा का तो ब्याह रचाया दसां की सगाई।

और देखिए ...

म्हारी सांझी ए के ओढैगी के पहरैगी
क्यांए की मांग भरावैगी
मिसरू पहरूंगी स्यालु ओढूंगी
मोतियां की मांग भराऊंगी
म्हारी सांझी ए के जीमेगी के झूठेगी
क्यांए की चलुए भरावैगी
लाडू जीमूंगी पेड़ा झुठूंगी
इमरत की चलुए भराऊंगी

इसी क्रम में सांझी का आरता तो और अधिक विशेष है ...

आरता ए आरता संझा माई आरता
आरता के फूल चमेली की डाल्ही
नौ नौ नोरते दुरगा माई के
सोलां कनागत पितरां के
जाग सांझी जाग तेरै मात्थे लाग्या भाग
पीली पीली पट्टिआं सदा सुहाग

इसके अलावा नवरात्रि के दौरान मिट्टी के पात्र में बोए गए जौ को दशहरे पर काटकर बहनों द्वारा भाइयों के कान पर लगाया जाता है और उनके मंगल की कामना की जाती है। दशहरे के दिन पूजा के समय आयुध पूजा भी की जाती है। जिसमें किसानों और सैनिकों द्वारा औजारों और हथियारों की तो विद्यार्थियों द्वारा अपनी पुस्तकों और गृहिणियों द्वारा अपने रसोई की प्रयोग वस्तुओं की पूजा की जाती है।

इस अवसर पर सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य हरियाणा विशेष परंपराओं और ऐतिहासिक धरोहर के साथ और भी जीवंत हो उठता है। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह समाज को जोड़ने वाला पर्व है। जो बच्चों और युवाओं को हमारे पौराणिक इतिहास से जोड़ता है तथा हमें अपने भीतर की बुराइयों जैसे क्रोध, अहंकार और ईर्ष्या को समाप्त करने की प्रेरणा देता है। यह पर्व सामाजिक सौहार्द और सांस्कृतिक एकता को मज़बूत करता है। दशहरा भारतीय संस्कृति और एकता का संदेश देता है। यह पर्व हर साल हमें याद दिलाता है कि चाहे अंधकार कितना भी गहरा क्यों न हो, अंततः प्रकाश की विजय होती है। कहा जा सकता है कि हमारे भारत की ये समृद्ध परम्पराएं और पर्व तो विशेष हैं ही किन्तु हरियाणा की अपनी परम्परा और संस्कृति उसमें और चार चाँद लगा देती है, इसमें तनिक भी संदेह नहीं है।

कविता | डा. रणबीर सिंह दहिया

जलवायु प्रदूषण

कार्बन साइकल नै समझां जै दुनिया बचाणी रै।।
धरती संकट बढ़ता आवै होज्या कुनबा घाणी रै।।

पौधे करैं ऑक्सीजन पैदा ये सूरज के प्रकाश मैं
कार्बन डाइऑक्साइड सोखैं ये भोजन की आस मैं
संघर्ष और निर्माण का इतिहास बनाया प्राणी रै।।

इस ब्रह्मांड को समझैं इसमैं हम सां कड़े खड़े
कुदरत के नियम जाणे म्हारे कदम भी सही पड़े
इसका जब मजाक उड़ाया पड़ी मूंह की खाणी रै।।

आस पास और दुनिया मैं कैसे यह संसार चलै
कुदरत और जनता को कैसे यो धनवान छलै
इस धनवान लुटेरे की कोन्या चाल पिछाणी रै।।

चल चल पूंजी खावैगी या म्हारे पूरे ही समाज नै
धरती का संकट बढ़ाया सै इसके तेज मिजाज नै
विकास टिकाऊ बचा सकता म्हारी सबकी हाणी रै।।

कविता | विजय सिंह सिवाच

गजब का हरियाणा

देख्या म्हारा गजब का हरियाणा।
आपसी प्रेम घणा, दूध दही का खाणा ।।

हरियाणा नाम इसका न्यू पड़्या मेरे भाई।
खुद श्री कृष्ण जी ने, यहां गीता आण सुणाई।।
हरे भरे जंगल यहां, सदा हरियाली छाई।
ग ऊ माता के दूध की यहां, नदिया बहती पाई।।
म्हारा मुख्य काम बताया अन्न का उपजाणा।
आपसी प्रेम घणा,और दूध दही का खाणा...

सब धर्मों के लोग यहां, सब की ऊंची शान।
36 जात रहें प्रेम से,सबका होता मान सम्मान।।
सादे भोले लोग यहां के, कृषि इनका मुख्य काम।
अनजान को भी भाई कहकर,करते उसका मान।।
पहले छेड़ैं नहीं फिर छोड़ैं नहीं,योहे प्रण निभाणा
आपसी प्रेम घणा,और दूध दही का खाणा...

खेलों में भी हरियाणे नैं, ऊंचा नाम कमाया।
साक्षी और फोगाट बहनों ने, भारत भाल चमकाया ।।
हवा सिंह जी, विजेंद्र सिंह ने बॉक्सिंग में नाम कमाया।
अनगिनत खिलाड़ी हरियाणा के, मैं लिख नहीं पाया।।
सादर नमन उन खिलाड़ियों को,जिन्होंने चमकाया हरियाणा।
आपसी प्रेम घणा और दूध दही का खाणा...

राजनीति में भी हरियाणा नहीं, पीछे नाम कमाने में।
छोटू राम मशहूर हुए फिर छोटा राम कहलाने में।।
देवी लाल मशहूर हुए ,लोकराज चलाने में।
बंशीलाल मशहूर हुए,विकास के पैमाने में।।
प्रोफेसर शेर सिंह के प्रयासों से, 1966 में बणा हरियाणा।
आपसी प्रेम घणा और दूध दही का खाणा...

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

पारंपरिक तकनीक | **ब्रिटिश शासन के समय 1890 के दशक में स्थापित की गई यह चक्की आज भी कार्यशील**

अनमोल धरोहर है फतेहपुर-पूंडरी की पनचक्की

जीवनशैली | डॉ. सत्यवान सौरभ

कैथल जिले के पूंडरी क्षेत्र में स्थित फतेहपुर गांव की पानी से चलने वाली आटा चक्की न केवल स्थानीय ग्रामीण समुदाय के लिए बल्कि पूरे राज्य के लिए ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है। यह चक्की ब्रिटिश शासन के समय, लगभग 1890 के दशक में स्थापित की गई थी और आज भी कार्यशील स्थिति में है। इसे हरियाणा की एकमात्र जलचालित आटा चक्की के रूप में जाना जाता है, जो पर्यावरण के अनुकूल और पारंपरिक तकनीक का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करती है।

करीब 127 साल पुरानी यह पनचक्की अंग्रेजों ने 1890 के आसपास बनवाई थी। आज भी यह चक्की पूरी तरह चालू है और लोग इसका पिसा हुआ आटा खाते हैं। इसकी खासियत यह है कि यहाँ पिसा आटा बिल्कुल ठंडा रहता है और वातावरण भी पूरी तरह प्राकृतिक है। यह भारत की सबसे पुरानी चालू पनचक्कियों में से एक मानी जाती है। यह चक्की फतेहपुर से नैना-धौंस रोड पर सरसा ब्रांच नहर पर बनी है। नहर का पानी लोहे के बड़े-बड़े पंखों पर गिरता है, जिससे वे घूमते हैं और चक्की चलती है। यहाँ पाँच चक्कियाँ लगी हुई हैं जो एक घंटे में लगभग 200 किलोग्राम गेहूँ की पिसाई कर सकती हैं। खास बात यह है कि यहाँ वजन तौलने के लिए कोई कांटा नहीं रखा गया। लोग स्वयं गेहूँ डालते हैं और पिसाई के बाद आटा अपने कट्टे में भर लेते हैं। फतेहपुर, पूंडरी, नैना, धौंस, काकौत समेत कई गाँवों के लोग यहाँ पिसाई करवाने आते हैं। पानी की इस चक्की की विशेषता यह है कि यह जल की ऊर्जा का उपयोग करके अनाज पीसने का कार्य करती है। बिजली या किसी अन्य ऊर्जा स्रोत की आवश्यकता नहीं पड़ती। जलचक्की की यह पारंपरिक तकनीक केवल ऊर्जा की बचत ही नहीं करती, बल्कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में प्राचीन कृषि और औद्योगिक ज्ञान को जीवित रखती है। इससे यह स्पष्ट होता है कि पुराने समय में लोग

प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करके किस प्रकार तकनीकी समस्याओं का समाधान करते थे। फतेहपुर की जलचालित आटा चक्की न केवल आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह स्थानीय लोगों के लिए रोजगार का भी एक प्रमुख स्रोत रही है। इस चक्की के माध्यम से ग्रामीण समुदाय पारंपरिक जीवनशैली और प्राकृतिक संसाधनों के संतुलन को बनाए रखता है। जलचालित आटा चक्की पर्यावरण की दृष्टि से भी बेहद उपयोगी है। बिजली पर निर्भर न होने के कारण यह ऊर्जा की बचत करती है और प्रदूषण कम करती है। यह दिखाती है कि पुराने समय में पारंपरिक तकनीकें कितनी प्रभावी और टिकाऊ होती थीं। आज के युग में जब बिजली और मशीनों पर अधिक निर्भरता बढ़ गई है, इस चक्की का उदाहरण हमें प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग सिखाता है। इस चक्की की संरचना और कार्यप्रणाली भी काफी रोचक है। इसमें पानी की धारा से एक पत्थर या चक्की घूमती है, जो अनाज को पीसने का काम करती है। यह तकनीक इतनी प्रभावशाली थी कि इसे आज भी कई अन्य आधुनिक उपकरणों के मुकाबले स्थायी और विश्वसनीय माना जाता है। स्थानीय लोग इसे बड़ी श्रद्धा और गर्व के साथ संचालित करते हैं। फतेहपुर की जलचक्की केवल एक औद्योगिक उपकरण नहीं है, बल्कि यह सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। यह हरियाणा की परंपराओं, तकनीकी ज्ञान और ग्रामीण जीवन की कहानियों को जीवित रखती है। इस चक्की के माध्यम से युवा पीढ़ी अपने पूर्वजों के जीवन और उनकी मेहनत और साधनों को समझ सकते हैं। सरकार और स्थानीय प्रशासन ने भी इस जलचक्की के महत्व को समझते हुए इसे संरक्षित करने और प्रचारित करने की दिशा में कई पहल की हैं। पर्यटक और शोधकर्ता इस चक्की का अनुभव लेने फतेहपुर आते हैं और इसकी तकनीक, इतिहास और सामाजिक महत्व को समझते हैं। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी लाभ होता है। जलचक्की का महत्व केवल ऐतिहासिक या आर्थिक नहीं है। यह हमें पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ जीवनशैली का संदेश देती है। जब प्राकृतिक संसाधनों का सही और संतुलित उपयोग किया जाता है, तो समाज को स्थायित्व और सुरक्षा मिलती है। फतेहपुर की यह जलचक्की इस दृष्टिकोण का जीता-जागता उदाहरण है। आज के युग में जब मशीन और बिजली पर निर्भरता बढ़ गई है, पारंपरिक जलचक्कियों का महत्व और भी बढ़ गया है। यह न केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित रखती हैं, बल्कि हमें प्राकृतिक संसाधनों के महत्व और पर्यावरण के प्रति जागरूक भी करती हैं। फतेहपुर की यह चक्की युवाओं के लिए शिक्षा और शोध का भी माध्यम बन सकती है। अंततः, फतेहपुर, पूंडरी की जलचालित आटा चक्की न केवल ऐतिहासिक धरोहर है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण रोजगार और पारंपरिक तकनीकी ज्ञान का महत्वपूर्ण प्रतीक भी है। इसे संरक्षित करना और आने वाली पीढ़ियों को इसके महत्व के बारे में जागरूक करना हर नागरिक और प्रशासन की जिम्मेदारी है।

समय के साथ खुद में बदलाव लाएं आरजे : आनंद शर्मा

कलाकार | डा. तबस्सुम जहां

आकाशवाणी हम सबको बचपन से ही लुभाता रहा है। ख़ूबसूरत और दिलकश आवाजों का यह तिलस्मी संसार सबको एक जादुई मोहपाश में बांध लेता है। वर्तमान आधुनिक दौर में मनोरंजन के तमाम संसाधन होने के बावजूद आज भी आकाशवाणी का नाम ज़हन में आते ही बहुत ही ख़ूबसूरत-सी आवाजें हमारे कानों में गूंजने लगती हैं और इसीलिए आज हम आपको परिचित करा रहे हैं आवाज़ की ऐसी ही खूबसूरत दुनिया से। बहुत ही शानदार व्यक्तित्व के धनी आनंद शर्मा जो अपनी बेहद ख़ूबसूरत आवाज़, दिलकश अंदाज़ और बेहतरीन प्रस्तुति के ज़रिए हरियाणा के तमाम लोगों के दिलों में बसते हैं।

आज भी जब आकाशवाणी हिसार से उनकी आवाज़ गूंजती है तो केवल युवा पीढ़ी की ही नहीं बल्कि हर उम्र के लोगों की पसंद होती है। पिछले दो दशक से इस क्षेत्र रेडियो जॉकी (आरजे) से जुड़े आनंद न केवल आकाशवाणी बल्कि रेडियो मंत्रा (वर्तमान में रेडियो सिटी) जैसे मंचों से जुड़े रहे हैं। ख़ास बात यह है कि वे साहित्य की संवेदना से भी जुड़े हैं। यही कारण है कि उनके आकाशवाणी के कार्यक्रमों में नित नवीनता मिलती है। आनंद शर्मा का जन्म करनाल (हरियाणा) में हुआ और इन्होंने एमएससी और बीएड तक शिक्षा पाई है। आकाशवाणी में अपने 20 साल के करियर में शायद ही ऐसी कोई उपलब्धि हो जो इन्हें न मिली हो। अपने कार्यकाल में इन्होंने रेडियो से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण फीचर्स, रेडियो साक्षात्कार, रेडियो शोज़, आदि किए हैं। आनंद शर्मा हरियाणा के पहले ऐसे आरजे हैं जो रेडियो मंत्रा हिसार , रेडियो मंत्रा करनाल और आकाशवाणी हिसार मॉर्निंग की लॉन्चिंग वॉइस रहे हैं। साहित्य की बात करें तो इनकी कविताएं हरियाणा से निकल कर दिल्ली, यू पी, मध्यप्रदेश, मुंबई और ब्रिटेन व अमेरिका तक की पत्र-पत्रिकाओं में छप चुकी हैं। स्वयं उनके शब्दों में- 'यूँ तो मेरी आवाज़ ईश्वरीय देन है लेकिन मैं अपनी आवाज़ का थोड़ा ध्यान तो रखता हूँ, थोड़ी सी ब्रीदिंग एक्सरसाइज करता हूँ और कुछ खास नहीं।' इन्होंने जब से होश संभाला तब से ही रेडियो को हमेशा अपने घर में सुना क्योंकि उनके पिता जी रेडियो और संगीत के बहुत शौकीन थे। बचपन से ही उनके अवचेतन मन में ये बात बैठ गई कि वह भी एक दिन रेडियो में बोलेंगे। उसी का परिणाम है कि वह आरजे बन गए। आरजे के रूप में करियर की संभावनाओं दके बारे में उनका कहना है कि ये युग संचार का है और यदि आप प्रभावी ढंग से अपनी बात कहने में सक्षम हैं तो आप को काम की कोई कमी नहीं है। जैसाकि हम जानते हैं कि वर्तमान में आकाशवाणी का पुरातन तिलस्मी दौर लगभग मृतप्रायः हो चुका है। एक समय तो यह गायब ही हो गया था प्राइवेट चैनल के द्वारा रेडियो की पुनः वापसी हुई लेकिन इसे आकाशवाणी की वापसी तो नहीं कहा जा सकता। उक्त संदर्भ में आनंद शर्मा को लगता है कि आकाशवाणी जड़ है, पेड़ है और प्राइवेट एफ़एम उसके पुष्प , जो अलग रंग के हो सकते हैं , मौसम आने पर महक सकते हैं किंतु पुष्प का अस्तित्व जड़ और तने के बिना असंभव है। आनंद शर्मा मानते हैं कि एक आरजे जब भीतर बैठ कर अपना कार्यक्रम कर रहा होता है उस समय आपको या एक श्रोता को लग सकता है कि हमारे सामने कोई चेहरा नहीं होता लेकिन इसे ऐसा मानिए कि हम लोग असल में आप से ही बात कर रहे होते हैं तो वो एकालाप नहीं अपितु वार्तालाप ही होता है । आनंद शर्मा ने बताया कि आवाज़ की दुनिया से जुड़े लोग कहते हैं कि रेडियो एक नशा है। इसमें आर्थिक तौर पर इतना लाभ नहीं है। वह कहते हैं कि बेशक! वह भी इस नशे से ग्रस्त हैं, और शायद उनके लिए ये नशा लाइलाज हो चुका है और नशे में नफ़ा नुकसान नहीं देखा जाता।

उनका यह भी मानना है कि इसमें आर्थिक लाभ नहीं है तो ऐसा भी नहीं है, आजकल एक आरजे अच्छा पैसा कमा सकता है बशर्ते वो समय के साथ खुद को बदलने को तैयार हो। आकाशवाणी को सतत जिंदा रखना है तो इसमें किस प्रकार का आधुनिकीकरण किया जा सकता है? के सवाल पर आनंद शर्मा ने बताया कि बदलाव जरूरी है और चाहे व्यक्ति विशेष हो या कोई संस्था। आकाशवाणी ने भी खुद को बदला है और सतत प्रयास भी कर रहा है किंतु कभी मूल्यों से समझौता नहीं किया। आकाशवाणी का जन्म

किसी रेस में जीतने के लिए नहीं हुआ अपितु लोगों की भलाई और मनोरंजन के लिए हुआ है जो अधिक महत्वपूर्ण है। आनंद शर्मा के अनुसार आकाशवाणी भाषा की शुद्धता पर बड़ा ध्यान देता है। एक समय था कि इसके बताए समय से लोग अपनी घड़ियों का समय मैच करते थे। ख़बरों के मामले में भी दूरदर्शन और आकाशवाणी इतना विश्वसनीय रहा है। भाषा की शुद्धता और समय को लेकर आकाशवाणी आज भी विश्वसनीय है। जहां तक खबरों की बात है सच कभी सबको प्रिय नहीं हो सकता। आलोचना और असहमति उसका अभिन्न अंग है। आज जिस तेज़ी से हरेक क्षेत्र में अंग्रेज़ी भाषा का प्रचलन बढ़ा है ऐसे में आकाशवाणी हिंदी को बचाने के लिए किस प्रकार भूमिका निभा सकता है? इस सवाल पर उन्होंने दो टूक कहा कि अंग्रेज़ी का प्रचलन बढ़ने से हिंदी को बचाने जैसी बात कैसे पैदा हो सकती है? मैं नहीं समझता। चंद्रमा की चांदनी से सूरज के अस्तित्व को खतरा कैसे हो सकता है? दोनों की अपनी जगह है, अपना महत्व है। जहां तक आकाशवाणी का प्रश्न है तो वो वह एक संस्कारी पुत्र की तरह हिंदी की सेवा कर रहा है । वर्तमान पीढ़ी आकाशवाणी को सुनती नहीं है लेकिन यह लोग इससे जुड़ने के तो इच्छुक रहते ही हैं तो इसमें चयनित होने की प्रक्रिया क्या रहती है? इस प्रश्न पर असहमति जताते हुए आंनद शर्मा ने बताया कि लोग सुनते हैं तभी तो जुड़ना चाहते हैं। आकाशवाणी से जुड़ने के इच्छुक अभ्यार्थी आकाशवाणी की स्वर परीक्षा में हिस्सा लेकर एक साक्षात्कार के उपरांत आकाशवाणी परिवार का हिस्सा बन सकते हैं।

आवाज़ की दुनिया में आनंद शर्मा अमीन सयानी को अपना गुरु मानते हैं। वह बताते हैं कि यदि आप हिंदी के आरजे हैं तो बेशक आपका सपना होता है कि आप अमीन सयानी जैसी प्रतिभा अर्जित कर सकें। किंतु यदि प्राइवेट एफ़एम की बात करें तो आरजे नितिन से उन्होंने बहुत सीखा है। आनंद शर्मा ने प्राइवेट चैनल और सरकारी संस्थान दोनों जगह काम किया है। दोनों में वह प्रोग्राम करते समय कुछ ज्यादा फ़र्क नहीं पाते हैं। उनके अनुसार एक बार जब आप स्टूडियो में प्रवेश करते हैं कंसोल पर फेडर को उठाने के बाद जब बोलना शुरू करते हैं तो यकीन मानिए इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि वो सरकारी चैनल है या प्राइवेट।

आवाज़ की दुनिया के लोग अक्सर मंच संचालन में देखे गए हैं क्या आप भी इस क्षेत्र में जाना चाहेंगे? इस प्रश्न पर मुस्कुराते हुए उन्होंने कहा कि मैं नए अवसरों को लेकर हमेशा ही उत्साहित रहता हूँ। यदि अवसर मिला तो जरूर आप जल्द ही मुझे किसी मंच पर देखेंगे।

आरजे या प्रस्तोता को पाठक होना ही चाहिए

आनंद शर्मा एक मशहूर कवि भी हैं और साहित्य और दर्शन के अच्छे ज्ञाता भी। उनका मानना है कि साहित्य पठन पाठन और आरजे की भूमिका आपस में गुंथी हुई हैं। एक आरजे या प्रस्तोता को पाठक होना ही चाहिए। असल में जैसा हम पढ़ते हैं, वैसे ही हम प्रस्तोता होते हैं और ये आप किसी भी आरजे को सुनकर सुनिश्चित कर सकते हैं। आनंद शर्मा लेखन के क्षेत्र में कैसे आए? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि लेखन के क्षेत्र में आना एक घटना थी जो कुछ समय पहले ही घटी, शायद दो साल पहले। यकायक विचार भावों का रूप लेकर कविता के तौर पर उभरे और कविता यात्रा आरंभ हो गई।

दो साल से बदहाल सीवरेज व्यवस्था झेल रहे हैं डाबर कॉलोनी के निवासी

सड़क पर भरे गंदे पानी और फिसलन के कारण कई लोग गिरकर हो चुके है चोटिल, आने लगी बदबू

- सीवर ब्लॉकेज की समस्या के चलते क्षेत्र में बना गंदगी व दुर्गंध का माहौल : शिवकुमार
- जनप्रतिनिधियों को अवगत करवाने के बाद भी समस्या ज्यो की त्यो
- अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की अनदेखी से लोगों में गुस्सा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

डाबर कॉलोनी बाईपास रोड़ पिछले करीबन दो वर्षो से सीवरेज की समस्या बनी हुई है, जिससे लोग बेहद परेशान हैं।

सीवरेज के ओवरफ्लो होने के कारण पूरे इलाके में बदबू और गंदगी का माहौल रहता है, जिससे निवासियों का जीवन मुश्किल हो गया है। स्थानीय निवासी शिव कुमार प्रजापति ने बताया कि इस समस्या की जड़ तब शुरू हुई जब संबंधित विभाग ने सीवरेज की खराब स्थिति को देखे बिना ही रेत डालकर ब्लॉक बिछा दिए।

इस लापरवाही के कारण इलाके में हमेशा जलभराव की स्थिति बनी रहती है। प्रजापति के अनुसार यहां पर हालत इतनी दयनीय है कि हमेशा छोटी-मोटी दुर्घटनाएं होती रहती हैं, जिससे नागरिक चोटिल होते रहते हैं।

भिवानी। डॉबर कॉलोनी इलाके में सीवर के ओवरफ्लो होने से सड़कों पर फैला पानी व बदहाल सीवरेज के विरोध में नारेबाजी करती महिलाएं।

हमेशा रहता है दुर्घटनाओं का डर

प्रजापति ने बताया कि स्थानीय निवासियों ने इस समस्या को लेकर कई बार अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों से शिकायत की है। शिव कुमार प्रजापति ने बताया कि उन्होंने स्थानीय पार्षद, विधायक और संबंधित अधिकारियों को भी इस बारे में जानकारी दी है, लेकिन आज तक कोई समाधान नहीं निकला है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की इस अनदेखी ने लोगों के गुस्से को और बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि लगातार जलभराव और गंदगी की वजह से यहां रहने वाले लोगों को हमेशा दुर्घटनाओं का डर सताता रहता है। सड़क पर भरे गंदे पानी और फिसलन के कारण कई लोग गिरकर चोटिल हो चुके हैं। यह स्थिति न केवल स्वास्थ्य के लिए खतरा है, बल्कि लोगों की सुरक्षा को भी जोखिम में डाल रही है। डाबर कॉलोनी के निवासियों ने प्रशासन से इस गंभीर समस्या का जल्द से जल्द समाधान करने की मांग की है। उनका कहना है कि जल्द ही इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो उन्हें मजबूरन प्रदर्शन का रास्ता अपनाना पड़ेगा।

डीईओ, डिप्टी डीईओ व डीईईओ ने आशीर्वाद देकर बेटियों की टीम को किया रवाना

राज्य स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिता के लिए भिवानी की एथलेटिक्स टीम रवाना

प्रतियोगिता 29 सितंबर से एक अक्टूबर तक फरीदाबाद के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स सेक्टर-12 में आयोजित की जाएगी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

58वीं हरियाणा राज्य स्तरीय स्कूल खेल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए बालिका एथलेटिक्स टीम रविवार को फरीदाबाद के लिए रवाना हुई। प्रतियोगिता 29 सितंबर से एक अक्टूबर तक फरीदाबाद के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स सेक्टर-12 में आयोजित की जाएगी।

टीम को रवाना करने के लिए डीईओ डॉ. निर्मल दहिया, डीईईओ सुभाषचंद्र भारद्वाज और उप जिला शिक्षा अधिकारी शिवकुमार तंवर सहित अनेक अधिकारी और शिक्षक मौजूद रहे। इस अवसर पर खेल प्रतियोगिता के समन्वय अधिकारी कोच सत्यवान, एईओ श्रीभगवान, एईईओ डॉ. अनिल कुमार, प्रीतपाल डीपीई, राजेश प्रवक्ता, अरविंद कौशिक व जीतपाल शर्मा ने भी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

भिवानी। राज्य स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिता के रवाना होते भिवानी के शारीरिक शिक्षक व एथलेटिक्स टीम। फोटो : हरिभूमि

डीपीई मीनावती कर रही टीम का नेतृत्व

टीम का नेतृत्व डीपीई मीनावती कर रही हैं। टीम को रवाना करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. निर्मल दहिया ने सभी खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया और उन्हें प्रेरित करते हुए कहा कि बेटियां अपनी मेहनत और आत्मविश्वास से निश्चित रूप से सफलता हासिल करेंगी और भिवानी का नाम रोशन करेंगी। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना एवं अनुशासन के साथ खेलने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि भिवानी खेलों का हब बनता है, जहां के बेटे और बेटियां राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का मान बढ़ा रही है। हाल ही में इंग्लैंड में हुए वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भी भिवानी की तीन बेटियों ने पदक जीतकर विश्व स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया था, जो खेल नगरी भिवानी की बेटियों का खेल के प्रति जूनून व मेहनत का परिणाम है। डीईओ ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि राज्य स्तरीय स्कूल खेल प्रतियोगिता में भी भिवानी की बेटियां अपनी खेल प्रभिा का शानदार प्रदर्शन करेंगी और भिवानी का नाम रोशन करेंगी। शारीरिक शिक्षक विनोद पिंकू ने बताया कि प्रतियोगिता में अंडर-14, अंडर-17 व अंडर-19 वर्ग की लड़कियां हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता के पहले दिन 800 मीटर दौड़, 200 मीटर, 100 मीटर बाधा दौड़, 80 मीटर हर्डल दौड़, 600 मीटर दौड़, बांस कूद और लंबी कूद की स्पर्धाएं होंगी। यह प्रतियोगिता भिवानी की बेटियों के लिए महत्वपूर्ण अवसर साबित होगी, जहां उन्हें राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने और अपने जिले का मान बढ़ाने का मौका मिलेगा।

फेंसिंग में अरमान ने जीता कांस्य पदक

- सच्ची लग्न व मेहनत से हासिल कर सकते अपना लक्ष्य : कोच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

पानीपत में 24 से 26 सितंबर तक चले हरियाणा स्टेट खेल महाकुंभ में गांव सीसरखास के होनहार खिलाड़ी अरमान ने फेंसिंग खेल में शानदार प्रदर्शन किया और कांस्य पदक अपने नाम किया है। उनकी उपलब्धि से न केवल उनके गांव बल्कि पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। अरमान ने अपनी मेहनत, लगन और बेहतरीन खेल कौशल से ये पदक हासिल किया।

प्रतियोगिता के दौरान उन्होंने कई मुश्किल और कड़े मुकाबलों में धैर्य और साहस दिखाते हुए अपने प्रतिद्वंदियों को कड़ी टक्कर दी। उनके खेल में परिपक्वता और दृढ़ संकल्प साफ नजर आ रहा था, जिसने उन्हें जीत के करीब पहुंचाया। अरमान कांस्य पदक जीतकर अपने गांव सीसर खास पहुंचे, ग्रामीणों ने उनका भव्य स्वागत किया।

भिवानी। कोच के साथ पदक विजेता अरमान। फोटो : हरिभूमि

ग्रामीणों ने किया स्वागत

गांव की गलियों में ढोल-नगाड़ों की गूंज सुनाई दी और चारों तरफ उत्सव का माहौल बन गया। गांववासियों ने फूल-मालाओं से अरमान का स्वागत किया और उनकी उपलब्धि पर गर्व महसूस किया। इस दौरान बुजुर्गों ने अरमान को आशीर्वाद दिया और युवाओं ने उन्हें अपनी प्रेरणास्रोत माना। अरमान की सफलता के पीछे उनके कोच लुकेश सिंहमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने अरमान को कड़ी ट्रेनिंग दी ।

मन की बात सुनने में भिवानी जिला अव्वल

- मन की बात कार्यक्रम खत्म होने के मात्र दो घंटे में सभी 941 बूथों से कार्यकर्ताओं ने पोर्टल पर अपलोड की जानकारी : कौशिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक कार्यक्रम मन की बात को सुनने में भिवानी जिला प्रदेश भर में प्रथम स्थान पर रहा। यह जानकारी देते हुए भाजपा के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने बताया कि भिवानी जिला के सभी 941 बूथों पर कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने भारी उत्साह और जोश के साथ इस कार्यक्रम को सुना।

जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक रविवार को स्वयं भी गांव कायला में ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विचारों को सुनने के लिए लोगों में एक विशेष लगाव और उत्सुकता देखने को मिली।

भिवानी। पीएम मोदी की मन की बात सुनते हुए। फोटो : हरिभूमि

सिर्फ कार्यक्रम नहीं

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम समाप्त होने के मात्र दो घंटे के भीतर ही सभी 941 बूथों से कार्यकर्ताओं ने सरल पोर्टल पर कार्यक्रम सुनते हुए अपनी तस्वीरें अपलोड कर दी, जो कि एक रिकॉर्ड है। यह कार्यकर्ताओं की लगन, समर्पण और प्रधानमंत्री के प्रति उनके सम्मान को दर्शाता है। भाजपा जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने मन की बात कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह सिर्फ एक रेडियो कार्यक्रम नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री द्वारा सीधे देश की जनता से जुडने का एक सशक्त माध्यम है।

बहल में पीएम मोदी की सुनी मन की बात

बहल। पीएम मोदी के मन की बात के 126 वें एपिसोड को भाजपा मंडल कार्यकर्ताओं द्वारा रविवार को दी एंपायर स्विमिंग पूल में एकत्रित होकर सुना। कार्यकर्ताओं ने कहा कि पीएम मोदी ने शहीदों की वीरता, महिला सशक्तिकरण के बारे में चर्चा कर लोगों को साहसिक प्रेरणा देने का काम किया वहीं नवाचार के नए आयाम छूने वाले विभिन्न प्रदेशों के लोगों की उपलब्धियां लोगों के समक्ष रखा। उन्होंने आरएसएस की प्रेरणादायक शब्तादी यात्रा का जिक्र कर राष्ट्रप्रेम की भावना का संचार किया। भाजपा मंडल उपाध्यक्ष हनुमान शर्मा पाजू, संदीप लाखलाण, रविन्द्रर पूनिया, रामसिंह सेरला, मा. संतराम, शैली मंढ़ोली सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि पीएम मोदी का मन की बात कार्यक्रम हर बार लोगों में विभिन्न प्रदेशों के विभिन्न क्षेत्रों की असाधारण उपलब्धियों की जानकारी देकर लोगों में नई उर्जा, प्रेरणा व जोश का संचार करते रहे हैं। इस बार के कार्यक्रम में पीएम ने शहीद भगत सिंह व लता मंगेशकर को उनकी जयंती पर उनको नमन किया वहीं महिला नौ सेना अधिकारियों के अदम्य साहस की चर्चा कर महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि पीएम मोदी ने लोगों को वोकल फॉर लोकल के लिए स्वदेशी अपनाने का संदेश देकर आत्मनिर्भर भारत में सहयोग देने की अपील की।

खबर संक्षेप

बकाया मुआवजे को जारी करे सरकार: सोमबीर

बाढ़ड़ा। प्रदेश की भाजपा सरकार भले ही मतदाता को भ्रमित कर तीसरी बार सत्ता में आ गई लेकिन आम जनमानस की मांगों को लेकर कोई संजीदगी नहीं बरत रही है। क्षेत्र के दौरे पर आने से पहले सांसद, विधायक मंत्रियों को झूठा वायदा करने से पहले जिले में अधिकारियों के रिक्त पदों पर स्थाई तैनाती, बकाया मुआवजा व ट्यूबवैल कनेक्षन जारी करने के अलावा शिक्षा के क्षेत्र की सबसे बड़ी जरुरत के रुप में आईआईटी की घोषणा करवानी चाहिए।

शिविर में जांचा सफाई कर्मचारियों का स्वास्थ्य

बवानी खेड़ा। कस्बे स्थित नागरिक अस्पताल में शनिवार सुबह नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य चेकअप का शिविर लगाया गया। जिसमें सफाई कर्मचारियों की स्वास्थ्य की जांच की गई तथा उन्हें मौके पर ही दवाइयां आदि चिकित्सा सुविधा प्रदान की गई।

लघु नाटिका से दिया जनसेवा का संदेश

भिवानी। हमें देश सेवा व मानव सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए जनसेवा राष्ट्र की सच्ची सेवा है। यह बात वैश्य कॉलेज भिवानी की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों के स्वयंसेवकों द्वारा सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत भिवानी के स्टेशन पर लघु नाटिका के माध्यम से आमजन को जागरूक कर रहे स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन करते हुए वैश्य महाविद्यालय भिवानी के प्राचार्य डॉ संजय गोयल ने कहे। वैश्य कॉलेज भिवानी की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों के स्वयंसेवकों लघु नाटिका पेश की गई।

जीएसटी दरों में कमी से जनता को मिला दीपावली का तोहफा: जयसिंह

भिवानी। वरिष्ठ भाजपा नेता जयसिंह वाल्मीकि ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राज्यसभा सांसद किरण चौधरी एवं महिला बाल विकास एवं सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी के नेतृत्व में भाजपा सरकार जनहित में मजबूती से कार्य कर रही है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री मोदी ने देश की जनता को दीपावली से पहले बड़ा तोहफा दिया है। केंद्र सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में व्यापक कटौती की है। इस फैसले के बाद रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुएं अब पहले से सस्ती हो गई हैं, जिसका असर बाजारों में साफ दिखना शुरू हो गया है। वाल्मीकि ने कहा कि सरकार के नए फैसले के अनुसार जिन वस्तुओं पर 28 प्रतिशत जीएसटी वसूला जाता था।

शहीद ए आजम भगत सिंह को दी श्रद्धांजलि

- भगत सिंह का उद्देश्य सिर्फ अंग्रेजों को भगाना ही नहीं था बल्कि ब्रिटिश साम्राज्यशाही को समाप्त करना था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

जन संघर्ष समिति तोशाम ने शहीद पार्क में शहीदे आजम भगत सिंह की 118वी जयंती सम्मानपूर्वक तरीके से मनाई और भगत सिंह को पुष्प अर्पित किए। इस दौरान जन संघर्ष समिति तोशाम के नेता एडवोकेट बस्तीराम, फूलचंद दूल्हेड़ी, महेंद्र सिंह कटारिया, उजाला राम सूरा सरल, महावीर शर्मा, युवा कल्याण संगठन से कमल सिंह प्रधान, संदीप भगत सिंह क्लब, बलवीर सिंह बजाड़, संजय नाफरिया, अशोक मलिक आदि ने भगत सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

तोशाम। शहीद भगत सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

भगत सिंह का सपना आज भी है अधूरा

इस मौके पर पुष्प अर्पित करते हुए ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के जिला प्रधान रोहतास सिंह सैनी ने कहा कि भगत सिंह व उनके क्रांतिकारी साथी देश की जनता के लिए जिए और जनता के लिए ही कुर्बान हुए। हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (एच.एस.आर.ए) के नाम से एक सही क्रांतिकारी पार्टी बना कर उन्होंने आजादी आन्दोलन को जी-जान से आगे बढ़ाया था। उनका उद्देश्य सिर्फ अंग्रेजों को भगाना ही नहीं था बल्कि ब्रिटिश साम्राज्यशाही को समाप्त कर मजदूर, किसानों, मेहनतकशों के हित में एक नई समाजवादी व्यवस्था कायम करना था जिसमें मानव द्वारा मानव का शोषण-दमन नहीं कर सके। परन्तु उनका यह सपना आज भी अधूरा है। कारण रहा कि आजादी आंदोलन की बागडोर आखिर तक समझौता-परस्त नेतृत्व के हाथों में चली गई और सत्ता पर पूंजीपति वर्ग काबिज हो गया। अनुभव बताता है कि जनता की तमाम समस्याओं का मूल कारण देश में कायम शोषणकारी पूंजीवादी व्यवस्था है। उनका कहना था कि आजादी के बाद सत्ताधारी पार्टियों ने पूंजीपतियों की हित-पोषक, जन-विरोधी नीतियां जनता पर हैं।

विधायक वाल्मीकि से मिले स्वतंत्रता सैनानी उत्तराधिकारी कल्याण संगठन के संचालक

बवानीखेड़ा। रविवार को बवानी खेड़ा विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि के निवास स्थान पर स्वतंत्रता सैनानी उत्तराधिकारी कल्याण संगठन के संचालक गण अपनी विभिन्न मांगों को लेकर पधारे। इस अवसर पर विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने सभी से आत्मीयता के साथ मुलाक़ात की और उनकी सभी समस्याओं व सुझावों को पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से सुना। विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों की भावनाओं को समझते हुए उन्हें आश्वस्त किया कि उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों को माननीय मुख्यमंत्री नायब सिंह के समक्ष प्राथमिकता के आधार पर रखा जाएगा। मैं स्वयं इस दिशा में पूर्ण सक्रियता से कार्य करूंगा।

कोंट गांव के जलघर में ग्रामीणों ने चलाया स्वच्छता ही सेवा अभियान

भिवानी। गांव कोंट के जलघर में स्वच्छता अभियान चलाते जेई बिजेश जावला व अन्य। फोटो: हरिभूमि

भिवानी। आमतौर पर पंचायतों में नए और पुराने सरपंचों के बीच मतभेद की खबरें सामने आती रहती हैं, लेकिन कोंट गांव ने नई मिसाल पेश की है। यहां वर्तमान सरपंच प्रतिनिधि प्रेमसिंह और पूर्व सरपंच हरविंदर सिंह हर काम में एक-दूसरे का सहयोग करते हैं। उनका ये आपसी सौहार्द और सहयोग स्वच्छता ही सेवा अभियान के दौरान भी देखने को मिला, जब दोनों ने मिलकर गांव के जलघर में सफाई अभियान चलाया। रविवार को स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के तहत कोंट गांव के जलघर पर जनस्वास्थ्य विभाग के कनिष्ठ अभियंता बिजेश कुमार जावला की अगुवाई में सफाई अभियान चलाया गया। अभियान में जलघर के कर्मचारियों के साथ-साथ वर्तमान सरपंच प्रतिनिधि प्रेमसिंह और पूर्व सरपंच हरविंदर सिंह ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। दोनों ने न केवल खुद झाड़ू लगाई, बल्कि अन्य कर्मचारियों का हौसला बढ़ाया। जेई बिजेश कुमार जावला ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी अभियान नहीं है, बल्कि ये हम सभी की जिम्मेदारी है।

नवरात्रि पर दिख रहा भक्ति का अद्भुत संगम

भिवानी। जोगीवाला मंदिर के महंत वेदनाथ महाराज को स्मृति चिन्ह भेंट करते श्रीअग्रवाल सभा के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

भिवानी। छोटी काशी के नाम से मशहूर भिवानी में नवरात्रों पर धार्मिक उल्लास और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला रहा है। इसी कड़ी में रविवार को श्रीअग्रवाल सभा की ओर से चलो मां के द्वार पदयात्रा का आयोजन किया। सभा के प्रधान सुनील प्रधान के नेतृत्व में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भिवानी से देवसर धाम तक पदयात्रा की। पदयात्रा का शुभारंभ जोगीवाला मंदिर से हुआ, जहां महंत वेदनाथ महाराज ने श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया और मां दुर्गा के प्रति आस्था व भक्ति में आगे बढ़ने का संदेश दिया। महंत वेदनाथ ने कहा कि नवरात्रों का समय आत्मशुद्धि और देवी मां की साधना का पावन अवसर है। पदयात्रा जैसे आयोजन समाज में आस्था, एकता और सांस्कृतिक मूल्यों को जीवित रखने का माध्यम हैं। पदयात्रा के दौरान भक्तों के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने भक्ति गीत गाए और मां दुर्गा की आराधना की। पदयात्रा देवसर धाम पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने मां के दरबार में माथा टेका, 51 मीटर लंबी चुनरी माता रानी को अर्पित की और हलवा-छोले का प्रसाद वितरित किया।

नवरात्र देवी पूजन पर्व नहीं, बल्कि नारी शक्ति का सम्मान भी

मां भगवती कात्यायनी महामंत्र के साथ किया पूजन

- हालुवास गेट स्थित सिद्धपीठ बाबा जहरगिरी आश्रम में विशेष अनुष्ठान का किया गया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

नवरात्रि के षष्ठी दिवस पर मां भगवती कात्यायनी का पूजन-अर्चन श्रद्धा व उल्लास के साथ किया। हालुवास गेट स्थित सिद्धपीठ बाबा जहरगिरी आश्रम में विशेष अनुष्ठान हुआ। इस अवसर पर पीठाधीश्वर श्रीमहंत डॉ. अशोक गिरी महाराज ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच मंगलाचरण कर मां कात्यायनी का षोडशोपचार पूजन संपन्न करवाया। उन्होंने अपने आशीर्वचन में बताया कि ऋषि कात्यायन की पुत्री ही कात्यायनी थीं, जिन्हें नवदुर्गा में षष्ठी तिथि पर पूजा जाता है। परंपरागत रूप से मां कात्यायनी का संबंध लाल रंग से माना गया है।

भिवानी। मां भगवती कात्यायनी का पूजन करते श्रीमहंत डॉ. अशोक गिरी महाराज।

साधक का मन आज्ञा चक्र में होता है स्थित

उन्होंने कहा कि योग साधना में इस दिन साधक का मन आज्ञा चक्र में स्थित होता है और पूर्ण आत्मसमर्पण से मां के चरणों में निवेदित हो जाता है। मां कात्यायनी की पूजा प्रातःकालीन स्नानादि के बाद षोडशोपचार विधि से करनी चाहिए। मधु का भोग लगाना अनिवार्य है और लाल पुष्प अर्पित कर भगवती का जाप करना अत्यंत फलदायी माना गया है। श्रीमहंत ने कहा कि स्कंदपुराण के अनुसार कात्यायन ऋषि याज्ञवल्क्य के पुत्र थे और उन्होंने 'श्रौतसूत्र' व 'गृह्यसूत्र' जैसे ग्रंथों की रचना की थी। मां कात्यायनी की आराधना से साधक को सहज रूप से देवी के दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त होता है। डॉ. अशोक गिरी ने कहा कि छठे नवरात्रे पर मां कात्यायनी की आराधना से साधक को साहस, ज्ञान और विजय का आशीर्वाद मिलता है। मां कात्यायनी आज्ञा चक्र में स्थित साधना की अधिष्ठात्री हैं, जो आत्मबल और आत्मविश्वास प्रदान करती हैं। इस धार्मिक अवसर पर बाबा कैलाश गिरी, बाबा दशरथ गिरी, कामाख्या गिरी, पंडित कार्तिक शास्त्री, पंडित दीपक पाठक, पंडित देवेंद्र शर्मा, पंडित रामनिहर, आचार्य बसंत शास्त्री, लेहसु नाई आदि मौजूद रहे। वहीं स्थानीय भक्तों ने माता के जयकारों के बीच विशेष पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

खबर संक्षेप

श्रमिकों को दी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी

चरखी दादरी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में दो अक्टूबर तक श्रमिक सम्मान एवं जागरूकता समारोह पर्व सेवा अभियान के रूप में मनाया जा रहा है। इसी के तहत मुख्यमंत्री द्वारा गुरुग्राम से हरियाणा के सभी जिलों में श्रमिकों के सम्मान में आयोजित समारोह का लाइव प्रसारण किया, जिसके अंतर्गत जिला के जनता कॉलेज में विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के श्रमिक एकत्रित हुए।

पेंटिंग प्रतियोगिता में अंकिता ने मारी बाजी

तोशाम। बापोड़ा मंडल अध्यक्ष जगत कौशिक के नेतृत्व में भाजपा के बापोड़ा मंडल द्वारा शिवम स्कूल लोहानी में सेवा पखवाड़ा के तहत मंडल स्तर की पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई। जिसमें सैकड़ों विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस बारे विस्तार से जानकारी देते हुए मंडल अध्यक्ष जगत कौशिक ने बताया कि आगे जिला स्तर की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

लोहियान कटली में पांच दिवसीय दुर्गा पूजन शुरू

भिवानी। जवाहर चौक में लोहियान कटली में हर साल की तरह हिंदू बंगाली समुदाय ने पांच दिवसीय दुर्गा कार्यक्रम आयोजित कर पूजन शुरू किया है। कार्यक्रम में पूरे समुदाय में उत्साह और भक्ति का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यतिथि श्रीमैद क्षत्रिय स्वर्णकार जनकल्याण समिति के उपप्रधान व समाजसेवी सुरेंद्र सोनी मांडन ने किया। उन्होंने दुर्गा पूजा के धार्मिक महत्व को रेखांकित किया।

विद्यार्थियों ने किया ऐतिहासिक किले का अवलोकन

लोहारू। चौ बंसीलाल राजकीय महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा स्थापित इतिहास परिषद के स्नातक और स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों ने शहर के ऐतिहासिक किले का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ सुखबीर सिंह और अनिरुद्ध पूनिया ने विद्यार्थियों को किले की वास्तुकला और किले के इतिहास की जानकारी दी।

स्वतंत्रता, समानता व सामाजिक न्याय के लिए भगत सिंह ने दी शहादत: कामरेड ओमप्रकाश

विभिन्न जनसंगठनों ने शहीद भगत सिंह को किया नमन, दी श्रद्धांजलि

भिवानी। शहीद भगतसिंह को श्रद्धांजलि देते विभिन्न जनसंगठनों के सदस्य कामरेड ओमप्रकाश, कमलसिंह प्रधान व अन्य।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

विभिन्न जनसंगठनों ने रविवार को सेक्टर-13 व 23 स्थित शहीद भगत सिंह चौक पर शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती मनाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेक्टर-23 के नागरिक एसोसिएशन के प्रधान सज्जन कुमार सिंगला ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए किसान सभा के जिला उपप्रधान व माकपा नेता कामरेड ओमप्रकाश, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार इन्द्रमोहन, युवा कल्याण संगठन के संरक्षक कमल सिंह प्रधान, चौधरी देवीलाल विचार मंच के संयोजक विजय गोठड़ा व दलित अधिकार मंच संयोजक सुखदेव पालुवास ने शहीद भगतसिंह को नमन किया और कहा कि ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ शहीद भगत सिंह के नेतृत्व में उस समय देश के युवाओं ने हिन्दुस्तान सोसलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन बनाकर क्रांतिकारी की लहर पैदा की थी।

शहिदों को किया गया याद

कामरेड ओमप्रकाश ने कहा कि वे युवा देश में स्वतंत्रता, समानता व सामाजिक न्याय लाने के लिए क्रांति लाना चाहते थे। शहीद करतार सिंह सराभा, शहीद भगतसिंह, राजगुरु, सुखदेव, चन्द्रशेखर आजाद, असफाक उल्ला खान, राजेंद्र सिंह लाहड़ी, रामप्रसाद बिस्मिल व ठाकुर रोशन सिंह सहित अनेक युवाओं ने अपने जीवन की कुर्बानियां देकर देशभक्ति व क्रांतिकारी लहर पैदा कर करोड़ों युवाओं स्वतंत्रता संग्राम में कूदने के लिए प्रेरित किया था। आज के माहौल में देश में शासक वर्गो द्वारा जातिवाद, धार्मिक कट्टरता, अंध विश्वास व सांप्रदायिकता पैदा कर मेहनतकश जनता में फूट डाल रखी है तथा कारपोरेट लूट का माहौल बना रखा है।

भिवानी। शहीद भगत सिंह की स्मृति में पौधरोपण करते शहीद ए आजम भगत सिंह सेवा ट्रस्ट के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

शहीद-ए-आजम भगत सिंह सेवा ट्रस्ट ने 118 पौधें रोपित करने का लिया लक्ष्य

- शहीद-ए-आजम भगत सिंह सेवा ट्रस्ट ने पौधरोपण कर मनाई शहीद भगतसिंह की जयंती

भिवानी। शहीद-ए-आजम भगत सिंह सेवा ट्रस्ट ने देश के महान स्वतंत्रता सेनानी और युवाओं के प्रेरणास्रोत शहीद-ए-आजम भगत सिंह की 118वीं जयंती मनाई और जयंती पर एक अनूठी पहल कर शहदी भगत सिंह चौक पर पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। ट्रस्ट के प्रधान मोनू भगत सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने 118 पौधे रोपित करने का संकल्प लिया। ट्रस्ट के प्रधान मोनू भगत सिंह ने कहा कि शहीद भगत सिंह ने देश को गुलामी की जंजीरों से मुक्त कराने के लिए अपनी जवानी और जीवन न्यौछावर कर दिया था। उन्होंने कहा कि भगतसिंह का जीवन और विचार आज भी हमारे लिए प्रेरणास्रोत हैं, उनकी 118वीं जयंती पर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि देने का सबसे अच्छा तरीका ये है कि हम उनके विचारों को अपने जीवन में अपनाएं और देश के लिए कुछ सकारात्मक कार्य करें। इस वर्ष ट्रस्ट ने 118 पौधे रोपित करने का लक्ष्य रखा है, जो भगत सिंह की 118वीं जयंती को समर्पित है।

ग्राम स्वराज किसान मोर्चा ने शहीद भगत सिंह को किया नमन

- ग्राम स्वराज किसान मोर्चा ने शहीद भगतसिंह को किया नमन
- शहीद भगत सिंह के दिखाए मार्ग पर चल किसान उठाएं अपने हितों की आवाज: खरेटा

भिवानी। ग्राम स्वराज किसान मोर्चा ने रविवार को तोशाम में हुई बैठक में संगठन के विस्तार का महत्वपूर्ण निर्णय लिया। तोशाम ब्लॉक अध्यक्ष ईश्वर बागनवाला की अध्यक्षता में हुई बैठक में सर्वसम्मति से दयानंद फौजी को मोर्चा का राज्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया। बैठक की शुरुआत में सभी सदस्यों ने शहीद भगत सिंह के चित्र पर फूल चढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मोर्चा के युवा प्रदेश अध्यक्ष युद्धवीर खरेटा ने शहीद भगत सिंह के जीवन और उनके आदर्शों पर प्रकाश डाला। खरेटा ने उपस्थित लोगों को भगत सिंह के सिद्धांतों का पालन करने और अन्याय के खिलाफ खड़े होने का संकल्प दिलाया। मोर्चा के महासचिव रघुबीर भेरा ने संगठन के विस्तार का प्रस्ताव रखा, इस प्रस्ताव को सभी सदस्यों ने स्वीकार कर दयानंद फौजी को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी।

शहीद भगत सिंह हमेशा युवाओं के प्रेरणास्रोत रहेंगे: सैनी

चरखी दादरी। नगर परिषद चेयरमैन बख्शीराम सैनी ने कहा कि छोटी सी उम्र में दूरदृष्टि, धैर्य, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता जैसे गुणों के लिए भगतसिंह को हमेशा याद रखा जाएगा। भगत सिंह एक व्यक्ति नहीं बल्कि विचार एवं इतिहास है, जो हमेशा युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। चेयरमैन सैनी ने वीर क्रांतिकारी शहीद भगत सिंह के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में झांसी की रानी प्रेरणा ग्रुप के बैनर तले कृष्णा ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर में बतौर मुख्यतिथि शिरकत की। उन्होंने कहा कि भगत सिंह ने मात्र 21 वर्ष की उम्र में देश के युवाओं में आजादी के लिए नई जागृति और प्रेरणा पैदा कर अपना जीवन बलिदान कर युवाओं के लिए देशभक्ति की नई परिभाषा लिखी। आयोजक संस्था व चेयरमैन ने युवाओं का हौंसला अफजाई बैज लगाकर किया व उन्हें प्रमाण पत्र वितरित किए।

छात्रों ने शहीद भगत सिंह को दी श्रद्धांजलि

- शहीद भगत सिंह ने युवाओं को देशभक्ति एवं बलिदान का सच्चा मार्ग दिखाया: मलिक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के ओल्ड कैंपस में अमर शहीद भगत सिंह की जयंती बड़े उत्साह और क्रांतिकारी जोश के साथ मनाई। कार्यक्रम का आयोजन छात्र नेता सुमित बराड़ और प्रवीण बुरा के नेतृत्व में हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत में शहीद भगत सिंह के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यतिथि डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. सुरेश मलिक ने कहा कि शहीद भगत सिंह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के वो महानायक हैं जिन्होंने युवाओं को देशभक्ति और बलिदान का सच्चा मार्ग दिखाया। इस अवसर पर युवराज बराड़, अजय गुस्कानी, पंकज, अधिवक्ता अमन, निखिल ग्रेवाल, वसुधा, सुमित कुमारी, शालू, अंतिम, नैंसी, प्रिया, पूजा और रुपेश आदि मौजूद रहे।

भिवानी। शहीद भगत सिंह को श्रद्धांजलि देते शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

भगत सिंह का जीवन बताया

छात्र नेता सुमित ने कहा कि शहीद भगत सिंह का जीवन हमें बताता है कि विद्यार्थी केवल किताबों तक सीमित न रहें, बल्कि समाज और देश की समस्याओं को समझें और उनके समाधान की दिशा में काम करें। उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन से ही अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आवाज उठाई। मात्र 21 वर्ष की आयु में उन्होंने हंसते-हंसते फांसी का वरण कर लिया, उनका छात्र जीवन उनके क्रांतिकारी जीवन की नींव था। छात्र नेता प्रवीण बुरा ने कहा कि क्रांति केवल हथियारों से नहीं, बल्कि विचारों और साहस से भी लड़ी जाती है।

बॉक्सर मीनाक्षी को किया सम्मानित

- मीनाक्षी का बीएसएफ और नेशनल कैंप में हुआ चयन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

शहीद ए आजम भगत सिंह के जन्मदिवस और विश्व रेबीज दिवस पर एनिमल सिंपैथी ऑर्गेनाइजेशन व आजाद सेना ने सम्मान समारोह का आयोजन किया। ऑर्गेनाइजेशन के प्रधान व आजाद सेना के संस्थापक अधिवक्ता कुलदीप शर्मा ने बताया कि शहीद ए आजम भगत सिंह जयंती पर प्रदेश का नाम रोशन करने वाली बॉक्सर मीनाक्षी का बीएसएफ और नेशनल कैंप में चयनित होने पर सम्मानित किया।

भिवानी। मुक्केबाज मीनाक्षी को सम्मानित करते खेलप्रेमी। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

मीनाक्षी को आशीर्वाद देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि वे नेशनल कैंप में अपना बेहतरी अभ्यास कर आगे होने वाली राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर देश का नाम रोशन करेंगी। इस अवसर पर अधिवक्ता पवन, संजय शर्मा, एंटी रेबीज मैन योगेश ढिकाव, मुकेश लेक्चर, अरविंद कटारिया, ललित, मुकेश व संजय आदि उपस्थित रहे।

शहीद भगत सिंह जयंती पर रक्तदान शिविर, 83 युवाओं ने किया रक्तदान

लोहारू। शहीद भगत सिंह समाज कल्याण समिति और शहीद भगत सिंह युवा ब्रिगेड के तत्वावधान में शहीद भगत सिंह की जयंती के मौके पर पर रविवार को स्थानीय आदर्श प्ले स्कूल परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। लाइफ सेवर्स ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित इस शिविर में 83 युवाओं ने रक्तदान कर शहीद भगत सिंह को श्रद्धांजलि दी। रक्तदान शिविर के शुभारंभ मौके पर नगर पालिका चेयरमैन प्रदीप तायल, डीएसपी संजीव कुमार, बार एसोसिएशन के प्रधान राजेश भारद्वाज, सुभाष सैनी, सीएम विंडो इम्मीनेंट सुभाष सैनी, प्रदीप सैनी, प्रधान जगदीश जायलवाल, राजेश शेखावत, बार एसोसिएशन के उप प्रधान कुलदीप मान, रवि मित्तल सहित अनेक गणमान्य लोगों ने शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और उनके आदर्शों को याद किया। जगदीश जायलवाल ने बताया कि रक्तदान शिविर में 83 युवाओं ने रक्तदान किया है। डीएसपी संजीव कुमार और नगरपालिका चेयरमैन प्रदीप तायल ने कहा कि शहीद भगत ङ्क्षसह एक आदर्श पुरुष थे। वर्तमान युवा पीढी को सभी प्रकार के सामाजिक बुराइयों से दूर रहते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लेना चाहिए।

युवा वर्ग शहीद भगत सिंह के जीवन से लें प्रेरणा: भोलू

भिवानी। शहीद ए आजम भगत सिंह ने देश की आजादी के लिए अपना पूरा जीवन कुर्बान कर दिया था और युवाओं में देशभक्ति का जोश भरने के लिए हंसते-हंसते छोटी सी आयु में ही अपना बलिदान दे दिया, ये बात युवा छात्र संघर्ष समिति के पूर्व प्रधान व समाजसेवी जितेन्द्र भोलू ने शहीद आजम भगत सिंह की जयंती पर युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर देशहित के कार्यों में भाग लेने का आह्वान करते हुए कही। उन्होंने कहा कि शहीदों को हमें कभी नहीं भूलना चाहिए। देश रक्षा एवं आजादी के लिए उन्होंने जो त्याग किया है, उसी का परिणाम है कि आज हम आजादी की खुली हवा में सांस ले रहे हैं। देशभक्त व शहीद हमारे लिए पूजनीय हैं हमें उनका व उनके परिजनों का सम्मान करना चाहिए।

समाज के लिए सराहनीय करना ही शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि

20 युवाओं ने रक्तदान कर दी शहीद भगत सिंह को श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद भगत सिंह की जयंती पर रविवार को झांसी की रानी प्रेरणा समूह एवं भारतीय प्रजापति हिरोज आर्गेनाइजेशन ने संयुक्त रूप से पुराना बस स्टैंड स्थित फ्रीडम ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर लगाया, जिसमें 20 यूनिट रक्त एकत्रित किया। शिविर में बतौर मुख्यतिथि आर्गेनाइजेशन के प्रदेश अध्यक्ष नरेश प्रजापति गोहाना ने शिरकत की तथा विशिष्ट अतिथि भाजपा माधव मंडल महामंत्री प्रजापति रत्न तंवर पहुंचे। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता आर्गेनाइजेशन के पूर्व जिला अध्यक्ष शशी प्रजापति नाथुवास, झांसी की रानी प्रेरणा समूह की प्रदेश अध्यक्ष प्रियंका प्रजापति व जिला अध्यक्ष पारुल प्रजापति ने की।

भिवानी। रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित करते झांसी की रानी प्रेरणा समूह एवं भारतीय प्रजापति हिरोज आर्गेनाइजेशन के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

शहीदों को किया याद

रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर एसडीओ सुनील प्रजापति, बीपीएचओ के प्रदेश उपाध्यक्ष नरेंद्र प्रजापति, वेट लिफ्टिंग एसोसिएशन के सचिव विनोद प्रजापति, भाजपा ओबीसी मोर्चा के मंडल अध्यक्ष कुलदीप प्रजापति, सुरेंद्र प्रजापति कलिंगा, शुभम फार्मासिस्ट व विनोद प्रजापति दादरी ने शहीदों के बलिदान को याद किया।

डॉ. आंबेडकर फ्री डिजिटल लाइब्रेरी में शहीद भगतसिंह को किया याद

- क्रांतिकारियों के संघर्ष एवं शहादत को भूलाया नहीं जा सकता: राजू

भिवानी। देश की आजादी में 21 साल के वीर भगत सिंह जैसे क्रांतिकारी योद्धा के संघर्ष और शहादत को कभी भूलाया नहीं जा सकता, ये बात दादरी गेट स्थित गुरू रविदास धर्मशाला में संचालित डॉ. अम्बेडकर फ्री डिजिटल लाइब्रेरी में शहीद भगत सिंह को नमन करते हुए शहीद-ए-आजम वीर ऊधम सिंह प्रदेश महासभा के प्रदेशाध्यक्ष राजू मेहरा ने कही। लाइब्रेरी में युवाओं ने शहीद भगत सिंह के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की और केक काटकर इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगाए। मेहरा ने कहा कि आज फिर देश में एक क्रांति सोच की जरूरत है, युवाओं को अपने हक अधिकारों के लिए आगे आना होगा। देश की आजादी में लाखों देशवासियों के सहयोग को भूलाया नहीं जा सकता। इस मौके पर विकास, साहिल बंगालिया, निधि, राजकुमार, अंकुर प्रजापति, अजय जोगी, अमरजीत मेहरा, लखन, राहुल, अंकित, मुकेश, सुषमा, किरण, निकिता आदि उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

पांच दिन तक गांवों व कस्बों का भ्रमण करने के बाद भिवानी पहुंची यात्रा, विधायक ने किया स्वागत

स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने को स्वदेशी जागरण मंच ने निकाली स्वदेशी संकल्प यात्रा

स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देकर देश की अर्थव्यवस्था को दें मजबूती: घनश्याम

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

स्वदेशी अपनाएं-समृद्ध भारत बनाएं के नारे के साथ नागरिकों को स्वदेशी उत्पाद अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से स्वदेशी जागरण मंच द्वारा निकाली गई पांच दिवसीय स्वदेशी संकल्प यात्रा रविवार को घंटाघर चौक पर पहुंची, जहां यात्रा का भव्य स्वागत हुआ। यात्रा के समापन कार्यक्रम के बतौर मुख्यतिथि घनश्याम दास सर्राफ ने शिरकत की। उनके साथ टीटू घंटाघर व सतीश वैद मौजूद रहे।

भिवानी। स्वदेशी अपनाएं-समृद्ध भारत बनाएं के नारे के साथ स्वदेशी संकल्प यात्रा निकालते शहरवासी। फोटो: हरिभूमि

इस दौरान शहरवासियों ने यात्रा में शामिल लोगों का गर्मजोशी से स्वागत किया। सराय चौपटा में मार्केट प्रधान रितेश मित्तल सहित अन्य व्यापारियों ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया।

स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की दी सलाह

मंच के भिवानी विभाग के संयोजक अमित बंसल ने बताया कि ये यात्रा स्वदेशी जागरण मंच भिवानी द्वारा 23 सितंबर को शुरू की गई थी। यात्रा ने भिवानी जिले के सभी गांवों और कस्बों का भ्रमण कर लोगों को स्वदेशी अपनाने का संदेश दिया, जो रविवार को भिवानी पहुंची तथा यात्रा का काफिला स्कूटर और बाइक के माध्यम से घंटाघर से जैन चौक में पहुंचा, जहां यात्रा संपन्न हुई। विधायक घनश्यामदास सर्राफ ने कहा कि स्वदेशी अपनाना हमारे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का सबसे प्रभावी तरीका है। उन्होंने कहा कि जब हम स्वदेशी उत्पादों को अपनाते है तो स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा मिलता है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। गौरक्षा दल के प्रधान संजय परमार ने कहा कि हमारे भोजन की थाली दूध-दही का स्थान होता था, इसके स्थान पर विदेशी पेय व खाद्य पदार्थो ने स्थान ले लिया है, जो खतरनाक है।

जांगड़ा समाज के लोगों की बैठक संपन्न

लोहारू। जांगिड़ विश्वकर्मा वेलफेयर सोसायटी की आवश्यक बैठक रविवार को स्थानीय बोहरा धर्मशाला में संपन्न हुई। समाज के वयोवृद्ध बद्रीप्रसाद की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक में लोगों ने समाज के उत्थान और समाज के भवन निर्माण के लिए प्रक्रिया तेज करने पर चर्चा की गई। इस मौके पर चार सदस्यीय कमेटी का भी गठन किया गया। इस बारे में जानकारी देते हुए जितेंद्र जांगड़ा ने बताया कि सामाजिक उत्थान और कल्याण के लिए जांगड़ा विश्वकर्मा वेलफेयर सोसायटी का गठन किया गया है तथा संगठन के बैनर तले भविष्य में सामाजिक कल्याण के लिए अनेक सामाजिक कार्य करवाए जाएंगी। उन्होंने बताया कि बैठक में समाज के लोगों द्वारा एक भवन के निर्माण पर चर्चा की गई तथा इसके लिए चार सदस्यों की कमेटी गठित की गई है।